

Teri jai ho Gajanan ji Lyrics in Hindi and English

Teri jai ho Gajanan ji Lyrics in Hindi

ॐ गंगणपतेय नमो नमह,
श्री सिद्धि विनायक नमो नमः,
करु वंदन हे शिव नंदन,
तेरे चरणों की धूल है चन्दन,
तेरी जय हो गजानन जी,
जय जय हो गजानन जी ।।

विघ्न अमंगल तेरी कृपा से,
मिटते है गजराज जी,
विश्व विनायक बुद्धि विधाता,
श्री गणपति गजराज जी,
जब भी मन से करु अभिनंदन,
अंतर मन हो जाए पावन,
तेरी जय हो गजानन जी,
जय जय हो गजानन जी,
करु वंदन हे शिव नंदन,
तेरे चरणों की धूल है चन्दन,
तेरी जय हो गजानन जी,
जय जय हो गजानन जी ।।

रिद्धि सिद्धि के संग तिहारो,
सोहे मूस सवारी,
शुभ और लाभ के संग पधारो,
भक्तन के हित कारी,
काटो क्लेश कलह के बंधन,
हे लम्बोदर हे जग वंदन,
तेरी जय हो गजानन जी,
जय जय हो गजानन जी,
करु वंदन हे शिव नंदन,
तेरे चरणों की धूल है चन्दन,
तेरी जय हो गजानन जी,
जय जय हो गजानन जी ।।

देवो में है प्रथम पूज्य,
हे एक दंत शुभकारी,
वंदन करे “देवेन्द्र” उमासुत,
पर जाऊ बलिहारी,
करता कुलदीप महिमा मंडन,
बादल विघ्नेश्वर का सुमिरण,
तेरी जय हो गजानन जी,
जय जय हो गजानन जी ।।

करु वंदन हे शिव नंदन,

तेरे चरणों की धूल है चन्दन,
तेरी जय हो गजानन जी,
जय जय हो गजानन जी,
श्री सिद्धि विनायक नमो नमः,
करु वंदन हे शिव नंदन,
तेरे चरणों की धूल है चन्दन,
तेरी जय हो गजानन जी,
जय जय हो गजानन जी ।।

करु वंदन हे शिव नंदन,
तेरे चरणों की धूल है चन्दन,
तेरी जय हो गजानन जी,
जय जय हो गजानन जी,
श्री सिद्धि विनायक नमो नमः,
करु वंदन हे शिव नंदन,
तेरे चरणों की धूल है चन्दन,
तेरी जय हो गजानन जी,
जय जय हो गजानन जी ।।

Teri jai ho Gajanan ji Lyrics in English

Om Gajananate Namah Namah,
Shri Siddhi Vinayak Namah Namah,
Karun Vandan He Shiv Nandan,
Tere Charno Ki Dhool Hai Chandan,
Teri Jai Ho Gajanan Ji,
Jai Jai Ho Gajanan Ji.

Vighn Amangal Teri Kripa Se,
Mitte Hai Gajraj Ji,
Vishw Vinayak Buddhi Vidhata,
Shri Ganpati Gajraj Ji,
Jab Bhi Mann Se Karu Abhinandan,
Antar Mann Ho Jaye Pawan,
Teri Jai Ho Gajanan Ji,
Jai Jai Ho Gajanan Ji,
Karun Vandan He Shiv Nandan,
Tere Charno Ki Dhool Hai Chandan,
Teri Jai Ho Gajanan Ji,
Jai Jai Ho Gajanan Ji.

Riddhi Siddhi Ke Sang Tiharo,
Sohe Moosh Sawari,
Shubh Aur Laabh Ke Sang Padharo,
Bhakton Ke Hit Kaari,
Kato Klesh Kalah Ke Bandhan,
He Lambodara He Jag Vandan,
Teri Jai Ho Gajanan Ji,
Jai Jai Ho Gajanan Ji,
Karun Vandan He Shiv Nandan,
Tere Charno Ki Dhool Hai Chandan,

Teri Jai Ho Gajanan Ji,
Jai Jai Ho Gajanan Ji.

Devo Mein Hai Pratham Poojya,
He Ek Dant Shubhkaari,
Vandan Kare "Devendra" Umasut,
Par Jao Balihari,
Karta Kuldeep Mahima Mandan,
Badal Vighneshwar Ka Sumiran,
Teri Jai Ho Gajanan Ji,
Jai Jai Ho Gajanan Ji.

Karun Vandan He Shiv Nandan,
Tere Charno Ki Dhool Hai Chandan,
Teri Jai Ho Gajanan Ji,
Jai Jai Ho Gajanan Ji,
Shri Siddhi Vinayak Namah Namah,
Karun Vandan He Shiv Nandan,
Tere Charno Ki Dhool Hai Chandan,
Teri Jai Ho Gajanan Ji,
Jai Jai Ho Gajanan Ji.

Karun Vandan He Shiv Nandan,
Tere Charno Ki Dhool Hai Chandan,
Teri Jai Ho Gajanan Ji,
Jai Jai Ho Gajanan Ji,
Shri Siddhi Vinayak Namah Namah,
Karun Vandan He Shiv Nandan,
Tere Charno Ki Dhool Hai Chandan,
Teri Jai Ho Gajanan Ji,
Jai Jai Ho Gajanan Ji.

About Teri jai ho Gajanan ji Bhajan in English

"Teri Jai Ho Gajanan Ji" is a devotional and energetic bhajan dedicated to **Lord Ganesha**, the remover of obstacles, the god of wisdom, and the patron of beginnings and prosperity. This bhajan expresses deep reverence for Lord Ganesha, acknowledging his divine powers and invoking his blessings for peace, prosperity, and success in life.

- **Divine Praise for Lord Ganesha:** The bhajan opens with the repeated phrase "Teri Jai Ho Gajanan Ji," which translates to "Hail Lord Ganesha," showing the devotee's admiration and respect for Lord Ganesha. The song serves as an invocation, calling upon the Lord to bless his followers with his divine grace.
- **The Significance of Lord Ganesha:** The bhajan praises **Lord Ganesha** as the son of **Lord Shiva** and **Mata Parvati**, highlighting his divine origin and the powerful influence he has in the universe. Lord Ganesha's ability to remove obstacles and grant success in all endeavors is acknowledged, and his blessings are sought for smooth progress in life.
- **Invocation for Blessings:** The bhajan mentions the prayer for **Riddhi** (prosperity) and **Siddhi** (success), both of which are associated with **Lord Ganesha**. Devotees believe that Lord Ganesha's presence brings material and spiritual blessings, leading to the fulfillment of desires and overcoming obstacles.

- **Lord Ganesha's Protective and Nurturing Role:** The bhajan praises **Lord Ganesha** for being a protector who removes difficulties and brings prosperity to his devotees. It also highlights his nurturing aspect, as he is referred to as a savior and guardian who helps devotees in times of trouble.
- **The Power of His Divine Intervention:** The bhajan emphasizes how **Lord Ganesha's** divine intervention can remove all hurdles, turning the impossible into possible. It also mentions how his blessings bring light and hope to the lives of his devotees, overcoming darkness and difficulties.
- **A Prayer for Prosperity and Spiritual Growth:** The song conveys the plea for **Lord Ganesha** to bring success in all tasks and endeavors. The devotees seek his guidance, blessings, and protection to live a prosperous and harmonious life.

“**Teri Jai Ho Gajanan Ji**” is an uplifting and soulful bhajan that calls upon **Lord Ganesha's** divine power and benevolence. It reflects the deep love, respect, and trust that devotees have in **Lord Ganesha's** ability to guide, protect, and bless them. The bhajan praises **Lord Ganesha's** greatness, while invoking his divine blessings for the prosperity and success of his followers.

About Teri jai ho Gajanan ji Bhajan in Hindi

“तेरी जय हो गजानन जी” भजन के बारे में

“तेरी जय हो गजानन जी” एक अत्यंत भव्य और श्रद्धापूर्ण भजन है, जो भगवान गणेश की महिमा और उनकी दिव्यता को समर्पित है। यह भजन भगवान गणेश के प्रति भक्तों की गहरी श्रद्धा और भक्ति का प्रतीक है। भजन में भगवान गणेश की पूजा, उनकी शक्तियों, और उनके भक्तों पर कृपा की विशेषता को खूबसूरती से व्यक्त किया गया है।

- **भगवान गणेश का स्वागत और वंदन :** भजन की शुरुआत में भक्त भगवान गणेश के प्रति अपने प्रेम और श्रद्धा का इज्जहार करते हुए उन्हें वंदन करते हैं। “गजानन वंदन करते हैं” और “तेरी जय हो गजानन जी” यह पंक्तियाँ भगवान गणेश के प्रति समर्पण और उन्हें सम्मान देने का संकेत हैं।
- **भगवान गणेश का दिव्य रूप :** भजन में भगवान गणेश की महिमा का वर्णन करते हुए कहा गया है कि वह माँ पार्वती और भगवान शिव के पुत्र हैं। उनके सामने सब देवताओं की पूजा होती है और उनकी कृपा से भक्तों के जीवन में सुख-शांति, समृद्धि और सफलता आती है।
- **रिद्धि और सिद्धि की प्राप्ति :** भजन में रिद्धि और सिद्धि के साथ भगवान गणेश के आगमन का उल्लेख किया गया है। रिद्धि और सिद्धि का संग होना भगवान गणेश के आशीर्वाद को दर्शाता है, जो अपने भक्तों को समृद्धि और सफलता प्रदान करते हैं।
- **भगवान गणेश की कृपा :** भजन में यह प्रार्थना की जाती है कि भगवान गणेश अपने भक्तों के जीवन से सभी विघ्नों को दूर करें। यह आशीर्वाद देने के लिए कहा गया है कि वह अपने भक्तों को सभी प्रकार की कठिनाइयों और दुखों से उबारें और उन्हें जीवन में सफलता का आशीर्वाद दें।
- **भगवान गणेश के दिव्य कार्य :** भजन में भगवान गणेश के अद्भुत कार्यों का भी वर्णन किया गया है, जैसे उनकी कृपा से अंधे भी दर्शन कर पाते हैं और उनका आशीर्वाद सबके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाता है। यह भगवान गणेश के रूप में उनके दिव्य कार्यों और चमत्कारी शक्तियों का सम्मान है।
- **भगवान गणेश से अभिवादन :** अंत में भजन में भगवान गणेश को पुनः सम्मानित किया जाता है और उनकी कृपा की प्रार्थना की जाती है। भक्त भगवान गणेश से उनके आशीर्वाद और जीवन में मार्गदर्शन की कामना करते हैं।

“तेरी जय हो गजानन जी” भजन भगवान गणेश की महिमा, शक्ति और उनके आशीर्वाद की प्रार्थना करता है। यह भजन न केवल भगवान गणेश के प्रति श्रद्धा और भक्ति को व्यक्त करता है, बल्कि उनके द्वारा अपने भक्तों को दी जाने वाली अनगिनत कृपाओं का भी गुणगान करता है। यह भजन भगवान गणेश से जीवन में सफलता, समृद्धि, और हर कार्य में आशीर्वाद प्राप्त करने की कामना करता है।